

१०/०१/२३ - पञ्जावनी काठ पेसा हई। नमील वासीगण  
मनुपस्थित। वासीगण मनुपस्थित।  
वासीगण के मय कछिवक्ता कोरै  
समय में तीन बार तीन-तीन कावके  
डिलारै गयी वावद कवाके डिलाने  
के वासीगण व वासीगण के कछिवक्ता  
मनुपस्थित। उक्त ठेकागणकरण  
वासीगण की कडक पैरवी व कडक हाकमी  
में शकिक किया जाता है। पञ्जावनी  
विठाय सुमार होकर डाखिल इफतर हो।

ॐ

महायक कलेक्टर, गुड़ामालाचं

